No. of Printed Pages : 6

MES-051

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2019

00542

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

   "Philosophy has no content of its own." In the light of this statement, discuss the role and functions of philosophy. Also explain the relation of philosophy with education.

OR

Explain the three types of 'Truth of Knowledge'. Discuss 'Coherence Theory of Truth' with suitable examples.

2. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the educational ideas of Jainism and Buddhism with special reference to the aims of education, the curriculum and the methods of teaching.

OR

Discuss the aims of education according to Idealism and Realism. Are these aims of education relevant to the current educational scenario in India ? Explain.

3. Explain any ***four*** of the following in about 150 words each, citing suitable examples :

(a) Axiological domain of philosophical enquiry

(b) Educational philosophy of Swami Vivekananda

(c) Role of school as an agent of socialization

(d) Difference between training and instruction

(e) Educational inequalities as constraints in social change

(f) Impact of globalization on education

4. Answer the following question in about 600 words :

Illustrate the concept of sustainable development. What are sustainable development goals ? Critically examine the role of education in achieving sustainable development goals in the context of Indian socio-economic scenario. Illustrate your answer with suitable examples.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

"दर्शन की अपनी कोई विषय-वस्तु नहीं होती ।" इस कथन के आलोक में दर्शन की भूमिका एवं कार्यों की चर्चा कीजिए । शिक्षा के साथ दर्शन के सम्बन्ध की भी व्याख्या कीजिए ।

अथवा

'ज्ञान की सत्यता' (Truth of Knowledge) के तीन प्रकारों की व्याख्या कीजिए । उपयुक्त उदाहरणों सहित 'सत्यता के संसक्ति/सुसंगति/सम्बद्धता सिद्धान्त' (Coherence Theory of Truth) की चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
शिक्षा के उद्देश्यों, पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियों के विशेष सन्दर्भ में जैन धर्म और बौद्ध धर्म के शैक्षिक विचारों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

आदर्शवाद और यथार्थवाद के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों की चर्चा कीजिए । क्या भारत के अद्यतन शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षा के ये उद्देश्य प्रासंगिक हैं ? व्याख्या कीजिए ।

3. उपयुक्त उदाहरण देते हुए, निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** को लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में समझाइए :

(क) दार्शनिक परिपृच्छा (Philosophical enquiry) के मूल्याश्रित शैक्षिक प्रभाव-क्षेत्र (Axiological domain)

(ख) स्वामी विवेकानन्द का शैक्षिक दर्शन

(ग) सामाजीकरण के अभिकर्ता के रूप में विद्यालय की भूमिका

(घ) प्रशिक्षण एवं निर्देशन में अंतर

(ङ) सामाजिक परिवर्तन में प्रतिबन्धों (constraints) के रूप में शैक्षिक असमानताएँ (inequalities)

(च) शिक्षा पर भूमंडलीकरण का प्रभाव

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

सततपोषणीय विकास की अवधारणा को समझाइए । सततपोषणीय विकास के लक्ष्य क्या हैं ? भारतीय सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के सन्दर्भ में सततपोषणीय विकास के उद्देश्यों की प्राप्ति में शिक्षा की भूमिका का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए । अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए ।